

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: पशु प्रकृति पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्ट संख्या-17 अ/1 विषय वस्तु- * बाज़ और साँप उपविषय वस्तु :- अ) पर्यावरण सजगता आ) नैतिक मूल्य इ)श्रवण की महत्ता पाठ्येतर विषय वस्तु : *व्याख्या-लेखन *नाटिका प्रस्तुति *अनुच्छेद लेखन	विद्यार्थी :- अ) पर्यावरण में विचरण करने वाले प्रत्येक जीव की महत्ता एवं प्रकृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। आ)नैतिक मूल्यों से अपना चरित्र निर्माण कर सकेंगे। इ)सतर्कता के साथ सुनने की कला में निपुण हो सकेंगे।	विद्यार्थी :- अ)i बाज़ व साँप के जीवन के प्रति दृष्टिकोण को व्याख्यायित कर सकेंगे। अ)ii बाज़ व साँप ही की तरह किसी अन्य जीव को प्रतीक बना एक प्रतीकात्मक नाटिका प्रस्तुत कर सकेंगे। आ)i स्वाभिमान, स्वतन्त्रता, स्फूर्ति जैसे नैतिक मूल्यों की जीवन में महत्ता पर चर्चा कर अपने गुणों को लिख सकेंगे। आ)ii नैतिक मूल्यों की महत्ता पर अनुच्छेद लिख सकेंगे। इ) सतर्कता के साथ सुनने की कला में निपुण हो अपठित गद्यांश को सुनकर पुनः लिख सकेंगे।

गृहकार्य:- पाठ से संबन्धित प्रश्न

क्रियाविधि:- श्रवण कौशल से संबन्धित

कक्षा - आठ

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्ट संख्या :-17 अ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या :-17अ/2 अध्यापिका के निर्देशन में उचित बलाघात के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ का वाचन करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के भाव को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे । क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्ट संख्या :-17अ /3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्ट संख्या :-17अ /4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे:- परिशिष्ट संख्या :-17आ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-17आ/2 विद्यार्थी उचित बलाघात के साथ पाठ के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । विद्यार्थी पाठ के अंत में दिये गए प्रश्नों के उत्तर देंगे। गतिविधि में भाग लेंगे। परिशिष्ट संख्या :-17आ/3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे। परिशिष्ट संख्या :-17आ/4	* पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण विधि:- १. पठन-पाठन विधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि अन्तःविषय संबंध :-, सामाजिक ज्ञान, भाषा ज्ञान, आत्मिक ज्ञान ।
विद्यालय परिसर :- विद्यालय के पुस्तकालय में जाकर पशु-पक्षी संबंधित कथा पढ़ेंगे ।

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्ट संख्या -17अ/1

प्रश्न.1-मनुष्य की ही भाँति क्या पशु-पक्षियों की भी प्रकृति होती है?

उत्तर-1- हाँ

प्रश्न.2-गधा किसका प्रतीक है ?

उत्तर- मूर्खता का ।

प्रश्न.3- कुछ और पशुओं का प्रतीकात्मक अर्थ दीजिए ।

उत्तर-3- लोमड़ी-चालक, गाय-सरल, कुत्ता-वफादार ।

प्रश्न.4- क्या आप बाज़ या साँप का प्रतीकात्मक अर्थ दे सकते हैं ?

उत्तर-4- समस्यात्मक ।

कथन:- आइये “बाज़ और साँप” पाठ को पढ़ कर जीवन के प्रति इनके दृष्टिकोण एवं इनकी प्रकृति को जानते हैं ।

2.काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या -17अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक A 4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदलाबदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देंगी ।

(यथासंभव इस गतिविधि में परिवर्तन लाये जाएंगे यथा कभी छात्र चिट पर भी कठिन शब्दार्थ लिख सकते हैं या कभी अध्यापिका स्वयं चिट पर कठिन शब्द लिख कर अर्थ लिखने को कह सकती है ।)

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्ट संख्या -17अ/3

- सभी विद्यार्थियों को अध्यापिका द्वारा निम्नलिखित अपठित गद्यांश सुनाया जाएगा जिसे उन्हें ध्यानपूर्वक सुनना होगा । अपठित गद्यांश:-

“ ‘नेकी का बदला हमेशा नेकी से मिलता है’ ऐसा हमारे धार्मिक ग्रंथों में लिखा है । हमारे पूर्वज भी यही कहते हैं किंतु क्या यह कथन सही है? हमने तो अधिकतर देखा है कि नेकी करने वाले का मज़ाक उड़ाया जाता है । उसके साथ छल किया जाता है । मतलबी लोगों की इस दुनिया में किसी पर विश्वास करना अपराध सा लगता है। किंतु यह भी सच है आज भी इस दुनिया में सच्चे और अच्छे लोग हैं जिनके किस्से हमें कभी-कभी सुनने को मिलते हैं । उनकी संख्या कम जरूर है पर समाप्त नहीं हुई है। अतः ऐ मेरे दिल! तेरा रास्ता सही है । नेकी का दिया जलाता चल । जब हिम्मत जवाब दे तो प्रकृति को देख जो कभी नहीं थकती ।”

- गद्यांश सुनाने के पश्चात् विद्यार्थियों को पाँच मिनट का समय दिया जाएगा ताकि वे उसका मनन कर सकें और पाँच मिनट पश्चात् अध्यापिका पुनः गद्यांश सुनाएंगी ।
- जब तक गद्यांश सुनाने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती और विद्यार्थियों को लिखने के लिए नहीं कहा जाता तब तक सभी को कुछ भी लिखने की मनाही है ।
- लिख लेने के बाद उन्हें वह लिखित उत्तर अध्यापिका को देना होगा और अध्यापिका उसे जाँचकर विद्यार्थियों को लौटा देंगी। कक्षा में उनके द्वारा की गई भूलों को बताएंगी ताकि सभी विद्यार्थी उस में सुधार कर सकें ।

गतिविधि के पश्चात् विद्यार्थियों को कार्यपत्र करने के लिए दिया जाएगा ।

मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

4.अभ्यास हेतु कार्यपत्र दिया जाएगा :- परिशिष्ट संख्या -17अ/4

पाठ : बाज और साँप
विद्यार्थी का नाम :

गतिविधि : श्रवण का खेल
अनुक्रमांक :

गतिविधि से पूर्व श्रवणेंद्रियों को विकसित करने का ज्ञान :

गतिविधि करते हुए अनुभव :



गतिविधि से सीखा :